

AUG-SEPT 20, VOL 14

Solution The Clarion

The official campus newsletter of Daly College of Business Management



What's inside this issue:

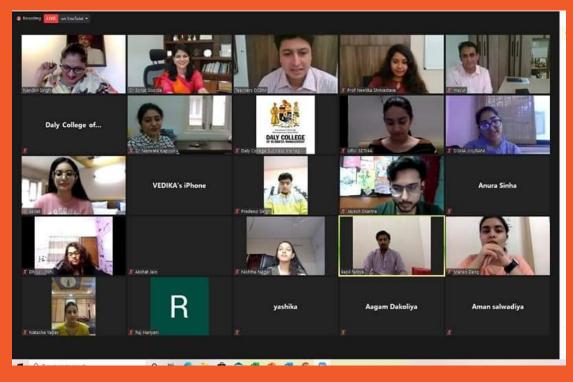
- Creative Sapience- A virtual creative competition for students
- DCBM students display social responsibility amid pandemic
- Webinar on Global opportunities for Digital Marketing Professionals
- Abhivyakti- Students deliberate on New Education Policy
- Webinar on Selection of Management Specialisation
- DCBM in news

Creative Sapience- A virtual creative competition for students



'Creative Sapience' - a unique online competition was organised by Daly College of Business Management to help students showcase their talents, both existing and newly acquired during the lockdown period and thereafter. The competition was judged by renowned Art Connoisseur and Heritage Conservationist Mrs. Nandini Singh Jhabua, Owner - Northern Art, Delhi. The event garnered superb coverage from leading local Dailies





Creative Sapience- A virtual creative competition for students

<mark>देबंग</mark> दुनिया

🖂 💋 🖨 👔

भारतीय नृत्य शैली की बारीकियों के साथ दिखाई रंगों की खूबसूरती

कोरोना काल में रचनात्मकता बढ़ाने के लिए डेली कॉलेज में हुआ आयोजन



दबंग रिपोर्टर 🔳 इंदौर

कोरोना काल में रचनात्मकता बढ़ाने के लिए डेली कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट ने एक अभूतपूर्व कार्यक्रम का आयोजन किया। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियाँ द्वारा कोरोना काल के दौरान नए-नए क्षेत्र में किए गए विभिन्न कार्यों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नंदिनी सिंह झाबुआ, जो कि स्वयं समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं द्वारा विद्यार्थियों की रचनात्मकता का मल्यांकन किया गया। इस प्रतियोगिता में डेली कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के द्वितीय और त्तीय वर्ष के विद्यार्थी सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम के आरंम में कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. सोनल सिसोदिया द्वारा मुख्य अतिथि का अभिवादन किया गया। द्वितीय वर्ष के छात्र कपिल फर्किया द्वारा कोरोना काल में मजदूरों की व्यथा पर लिखी गई कविता का प्रदर्शन किया गया। उर्वी सेठिया जो कि चरतनादयम और कत्थक नृत्य देश

और विदेश के मंच पर प्रदर्शित कर चुकी है, उनके द्वारा भारतीय नृत्य शैली की बारीकियां बतई गई। सुरिंदर होरा ने अपने मित्रों के साथ लॉकडाउन पीरियड के दौरान वीडियो बनाया, जिसमें लॉकडाउन के दौरान लोगों

महसुस होने वाली बेचैनी को और अकेलेपन की परेशानी से ऊपर उठने के लिए उत्साहित किया गया। कुछ विद्यार्थियों ने सुंदर पेंटिंग सीखी और कुछ ने फोटोग्राफी का हुनर प्रदर्शित किया।

0

ध्रुवी को प्रथम पुरस्कार

दितीय वर्ष के लात्र राज हरियाणवी ने बताया कि किस उन्होंने अपने 855 आत्मविश्वास को बढाकर सफलता हासिल की है। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार छूवी जोशी और द्वितीय पुरस्कार सुजिंदर होरा को दिया गया। कार्यक्रम का सँचालन डेली कॉलेज के प्रोफेसर तापस उपाध्याय द्वारा किया गया। आभार प्रोफेसर नीतिका श्रीवास्तव ने माना।



लॉकडाउन पीरियड के जिसमें लॉकडाउन के दौरान लोगों को महसूस होने वाली बेचैनी और अकेलेपन की परेशानी से ऊपर उटने हेतु उत्साहित किया गया है कुछ छात्रों ने सुंदर पेटिंग सीखी और कुछ द्वारा अपने फोटोग्राफी का हुनर प्रदर्शित किया गया द्वितीय वर्ष के छात्र राज हरियाणवी द्वारा बताया गया कि किस तरह उन्होंने अपने आत्मविश्वास को बढ़ाकर सफलता हासिल की। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार छठवी जोशी और द्वितीय पुरस्कार सुजिन्दर होरा को प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डेली कॉलेज के प्रोफेसर श्री तापस पाध्याय द्वारा किया गया और आभार प्रोफेसर नीतिका श्रीवास्तव ने प्रस्तुत किया।



रचनात्मकता बढ़ाने हेतु डेली कॉलेज ऑफ

इंदौर। कोरोना काल में रचनात्मकत रचनात्मकता का मुल्यांकन किया गया इस प्रतियोगिता में डेली बढ़ाने हेतु डेली कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्र मैनेजमेंट ने एक अभूतपूर्व कार्यक्रम सम्मिलित हुए । का आयोजन किया। इस ऑनलाइन कार्यक्रम के आरंभ में कॉलेज की प्रिंसिपल कार्यक्रम में प्रतियोगिता के माध्यम से

छात्रों द्वारा कोरोना काल के दौरान

किए गए रचनात्मक कार्य नई नई

का प्रदर्शन किया गया ।

नए-नए क्षेत्र में किए गए विभिन्न कार्य

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में

श्रीमती नदिनी सिंह झाबुआ जो कि स्वयं समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं, द्वारा खत्रों की

डाँ सोनल सिसोदिया द्वारा मुख्य अतिथि का अभिवादन किया गया।

कोरोना काल में मज़दूरों की व्यथा पर लिखीं गई कविता का प्रदर्शन किया गया उर्वी मेठिया जोकि

सुस्टिर होरा ने अपने मित्रों के साथ

कॉलेज ऑफ बिजनेस कपिल फर्किया द्वितीय वर्ष के छात्र द्वारा

तनाट्यम और कत्थक नृत्य देश और विदेश

के मंच पर प्रदर्शित कर चुकी है उनके द्वारा भारतीय नृत्य शैली की बारीकियां बताई गई ।



Afeartiest Congratulations The Winners of "CREATIVE SAPIENCE"



CREATIVE WAYS

Sujinder Singh Akshat S Surana Runners Up

Dhruvi Joshi Winner



Raj Haryani Anura Sinha Consolation Prize Winners



DCBM students display social responsibility amid pandemic

DALY COLLEGE

WEARESOPROUDOFYOU

SOCIAL RESPONSIBILITY AMONGST PANDEMIC



Urvi Sethia

NE

DCBM

Raised Rs. 30,000 for a Fund Raiser towards Distribution of Essential Food Supplies to the Migrant Workers and low-income rickshaw pullers, balloon sellers etc. who are worst hit by the crisis.

BBA Strategic Marketing BBA Strategic Finance

ARE SO PROUD

DCBM STUDENTS RISE & SHINE

> Social Responsibility Amongst Pandemic

DALY COLLEGE OF BUSINESS MANAGEMENT

DDA Strategic Marketing

Anura Sinha Head Girl

BBA 5th Semester Student has risen to the occasion by providing alternate means of subsistence to the daily wage workers who were worst hit by this pandemic. She has employed them to create paper bags out of newspaper for bakeries , boutiques, pharmacies etc. DCBM students Rise and Shine.... Combating Covid -19 with resilience, grit, determination and philanthropy!!!!



BBA Strategic Marketing

BBA Strategic Finance

AUG-SEPT 20, VOL 14

YO

0 F

Abhivyakti - Students deliberate on New Education Policy

Beating the Corona blues, the vivacious students of DCBM put forward their assertive viewpoints on the New Education Policy 2020 in an emphatic, positive and confident manner while also respecting the rights and beliefs of fellow students. Renowned academician Prof Dr. M D Somani was the Special guest cum Judge for the event. The event got a wonderful coverage in media too.

डेली कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट छात्रों ने नई शिक्षा नीति के पक्ष और विपक्ष में तर्क किए प्रस्तुत

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ◆ डेली कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के बीबीए द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए कॉलेज प्रबंधन द्वारा एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कॉलेज के छात्रों ने नई शिक्षा नीति पर अपने विचार साझा कर एक विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया। प्रतियोगिता में छात्रों ने नई शिक्षा नीति के पक्ष और विपक्ष में तर्क प्रस्तुत किए। आरंभ में कॉलेज के प्रशासक मयूरध्वज सिंह और प्रधानाध्यापिका डॉ. सोनल 🚺 🛄 🔄 🧊 🍂 प्रस्तुत् किए। मुख्य अतिथि द्वारा

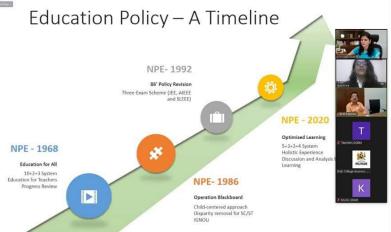


सिसौदिया ने मुख्य अतिथि वरिष्ठ प्राध्यापक एमडी सोमानी का स्वागत किया। इसके बाद प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों ने अपना परिचय दिया और एक-एक कर अपने विचार

प्रतियोगिओं का आकलन उनके द्वारा की गई जानकारी, प्रस्तुत प्रस्तुतिकरण के दौरान भाषा का उपयोग और विचार की प्रभावशीलता पर किया गया। विजेता को ट्रॉफी और भाग लेने वाले सभी प्रतियोगियों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। राज हरियाणी, दिशा झुरानी, महक गर्ग ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। संचालन डॉ. नम्रता कपूर ने किया। आभार प्रोफेसर तापस उपाध्याय ने माना।







Webinar on Global opportunities for Digital Marketing Professionals

DALY COLLEGE OF BUSINESS MANAGEMENT invites you to a Webinar

Daly College of Business Managemen

Miles

Digital Marketing Institute[™]

"Global opportunities for Digital Marketing Professionals (CDMP)"





YOU ARE INVITED TO JOIN US FOR

LIVE CAREER COUNSELING SESSION

Selection Of Management Specialization

September 19, Saturday | 11am



Webinar on Selection of Management Specialisation was conducted. Dr Deepa Katiyal was the Resource Person.

DCBM in News

शिक्षक दिवस पर शहर के शिक्षकों शिक्षक की गोर

शिक्षण और सीख ने की निरंतरता का पर्याय है अध्यापक

मने हमेशा अपने बच्चों को स्कूल या कॉलेज भेजा है किंतु कोबिड महामारी के चलते अब शिक्षक शिक्षा को ही घर ले आए हैं। शिक्षकों के लिए यह महामारी एक सर्वोत्कृष्ट और परिवर्तनकारी चुनौती है जिसके लिए कोई पूर्व-कॉन्फीगर प्लेबुक नहीं है जो उचित प्रतिक्रियाओं को

निर्देशित कर सके। उन्होंने डिजिटल वातावरण में काम करने के कौशल और प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित किया है और पारंपरिक तरीकों की बजाय ऑनलाइन माध्यम ছি

জি

q

यह र

हो स

हो स

दोनों

प्रिक्ष

লল

पास

पाले

स्थाः

बद ल

आव

को आत्मसात किया है। व्हाट्सएप्प, जूम,टीम जैसे ऐप और ईमेल के प्रयोग से छात्र अकादमिक परिसर से बाहर रहते हुए भी पठन-पाठन कर पा रहे हैं। टीचर्स डे पर मेरा निवेदन है कि माता पिता का समर्थन और साझेदारी इन उभरती हुई शिक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए और महामारी के दौरान और इसके बाद के युवाओं के शैक्षिक अवसरों की रक्षा करने हेतु आवश्यक है। - डॉ सोनल सिसोदिया, प्रिंसिपल, डेली कॉलेज ऑफ बिजनेस मेने जमेंट

🔳 एक्सपर्ट एडवाइज

कोविड-19 महामारी के इस दौर में बढ़ गए हैं शिक्षकों के दायित्व

डॉ. सोनल

सिसौदिया

प्रिंसिपल, डेली

कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट

यूनेस्को ने शिक्षाविदों की दुनिया में न्यू नॉर्मल स्थापित करने के संदर्भ में विस्तृत लेख और निर्दिष्ट प्रस्तुत किए हैं

दामारी का यह दौर शिक्षकों के लिए एक अभूतपूर्व समय है। यूनेस्को ने शिक्षाविदों की दुनिया में कोविड-19 और न्यू नॉर्मल स्थापित के संदर्भ में कई विस्तृत लेख और निर्दिष्ट प्रस्तुत किए हैं। इस समय एक शिक्षक के तौर पर न्यू नॉर्मल समायोजित करने और अनुकूल बनाने के लिए हमें पूरी कोशिश करनी है। शिक्षक होने के नाते अब हमारे दायित्व और बढ़ गए हैं। हमें अपने ज्ञान की सीमाओं के प्रति अधिक संवेदनशील होना होगा, क्योंकि यह एक गहन अनिश्चितता का समय है और एक शिक्षक होने के नाते हम अपनी जिम्मेदारी से भाग नहीं सकते।

इस समय शिक्षकों को अपने व्यवहारिक ज्ञान के जरिए छात्रों के कौशल विकास पर ध्यान देना चहिए। उनमें पढ़ाई के साथ ही व्यवहारिक और भावनात्मक समझ बढ़ाने का दायित्व भी हमारा है। खासकर बच्चों को कुछ नया सिखाने से पहले एक शिक्षक होने के नाते हमें यह सीखना होगा कि कैसे हम अपनी नेगेटिविटी को कम कर सकें। जब हम ऐसा करने में सक्षम होंगे, तभी हम विद्यार्थियों के प्रति भी सकारात्मक हो पाएंगे और उनमें रचनात्मकता का विकास करते हुए उन्हें अनुशासन सिखा सकेंगे। कोविड- 19 महामारी के कारण डिजिटल माध्यम से अधिकांश

लोग पढ़ाई कर रहे हैं और इस समय छात्रों के बीच कम अवधि वाले पादयक्रम लोकप्रिय हो रहे हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि शैक्षणिक जगत में डिजिटल माध्यम का प्रभाव लंबे समय तक रहने वाला है। अब जब डिजिटल एजुकेशन हमारे जीवन का अहम अंग बन रहा है, तो इन सबके बीच हमें ऑनलाइन कक्षाओं के साथ छात्रों का ध्यान रखना और भी अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसे में जरूरत है कि अध्यापक सोच-समझकर विनम्रता के साथ इन चुनौतियों का सामना करें। मुझे लगता है कि शिक्षकों को इस समय कुछ रचनात्मक कार्यों के जरिए स्टूडेंट्स को पढ़ाना चाहिए, ताकि वे ऑनलाइन पढ़ाई को आत्मसात कर सकें। यह वह समय है, जब शिक्षकों को एक योग्य और प्रभावशाली जानकार और मेंटर बन छात्रों को उचित जानकारियां उपलब्ध करानी चाहिए। हम एक सच्चे शिक्षाविद तभी हो सकते हैं, जब हमारे छात्र हमें निर्णयकर्ता की भूमिका में पूर्ण रूप से अपनाएं।